



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 2

PART I—Section 2

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 14]

No. 14]

नई दिल्ली, मंगलवार, जुलाई 10, 2012/आषाढ़ 19, 1934

NEW DELHI, TUESDAY, JULY 10, 2012/ASADHA 19, 1934

अन्तरिक्ष विभाग

अधिसूचना

बेंगलूर, 3 जुलाई, 2012

सं. ई. 28011/02/2010-अनु. 5.—भविष्य निधि अधिनियम, 1925 (1925 का 19) के खण्ड 8 के उप-खण्ड (2) के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्र सरकार एतद्वारा निर्देश देती है कि उक्त अधिनियम के प्रावधान (6-ए को छोड़कर) भारतीय अन्तरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान (आई.आई.एस.टी.), तिरुवनन्तपुरम के कर्मचारियों के हित के लिए स्थापित भविष्य निधियों के लागू होंगे और भविष्य निधि अधिनियम, 1925 (1925 का 19) के खण्ड 8 के उप-खण्ड (3) के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्र सरकार एतद्वारा "भारतीय अन्तरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी (आई.आई.एस.टी.)" का नाम इस अधिनियम की अनुसूची में जोड़ते हैं।

ए. विजय आनन्द, संयुक्त सचिव

DEPARTMENT OF SPACE

NOTIFICATION

Bangalore, the 3rd July, 2012

No. E. 28011/02/2010-Sec. 5.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of Section 8 of the Provident Funds Act, 1925 (19 of 1925), the Central Government hereby directs that the provisions of the said Act (excepting 6-A) shall apply to the Provident Funds established for the benefit of the employees of the Indian Institute of Space Science and Technology (IIST), Thiruvananthapuram, and in exercise of the powers conferred by sub-section (3) of Section 8 of the Provident Funds Act, 1925 (19 of 1925), the Central Government hereby adds the name of "Indian Institute of Space Science and Technology (IIST)", in the Schedule of the said Act.

A. VIJAY ANAND, Jt. Secy.

**अधिसूचना**

बेंगलूर, 33 जुलाई, 2012

सं. ई. 28011/02/2010-अनु. 5.— क्योंकि मंत्रिमंडल के अनुमोदन सं. 17/सीएम/2007 दिनांक मई, 2007 द्वारा 03.01.2007 के प्रभाव से भारतीय अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान (आई आई एस टी) को तिरुवनंतपुरम में स्थापित किया गया ।।

क्योंकि भारतीय अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान (आई आई एस टी) की स्थापना का मुख्य उद्देश्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी की व्यापक आवश्यकता के साथ समझौता किए बिना इसरो की उच्च प्रौद्योगिकीय आवश्यकता की पूर्ति हेतु प्रथागत पाठ्यचर्या के लिए गहरी ज्ञानगर्जन प्रक्रिया सहित विज्ञान और प्रौद्योगिकी में प्रथागत शैक्षिक कार्यक्रम के माध्यम से भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) की उच्च गुणवत्तावाली मानव संसाधनों की आवश्यकता को पूरा करना है।

और क्योंकि आई आई एस टी भविष्य निधि और पेंशन योजना को तैयार करना एवं लागू करना आवश्यक समझा गया है।

**भारतीय अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान (आई आई एस टी) भविष्य निधि और पेंशन योजना, 2012**

### 1. संक्षिप्त नाम और प्रारंभ

(क) इस योजना को भारतीय अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान (आई आई एस टी) भविष्य निधि तथा पेंशन योजना 2012 कहा जाए ।

(ख) यह योजना अगस्त 01, 2012 को प्रवृत्त होगी ।

### 2. परिभाषाएं

(1) जब तक संदर्भ से अन्यथा आवश्यक न हो, इस योजना में :

- (क) 'प्रबंधन बोर्ड' का अभिप्राय संस्थान के प्रबंधन बोर्ड से है
- (ख) 'न्यासी बोर्ड' का अभिप्राय निधियों के प्रबंधन हेतु भारतीय अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान के निदेशक द्वारा गठित न्यासी बोर्ड से है;
- (ग) 'परिलब्धियों' का अभिप्राय मूल नियम की परिभाषा के अनुसार यथास्थिति वेतन, छुट्टी के वेतन अथवा जीविका अनुदान; सामान्य भविष्य निधि (केन्द्रीय सेवा) नियमावली 1960; अंशदायी भविष्य निधि (भारत) नियमावली 1962; केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियमावली 1972; और नई परिभाषित अंशदान पेंशन योजना और संस्थान के लिए जो भी लागू होता हो से है;
- (घ) 'कर्मचारी' से तात्पर्य भारतीय अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान के कर्मचारियों से है किन्तु अनियत/अंशकालिक / ठेके पर काम करने वाले अथवा वैसे व्यक्ति जो संस्थान में नियमित पदधारी नहीं है और बाहरी एजेंसियों की वित्तीय सहायता से प्रायोजित परियोजनाओं में कार्य करते हैं, कर्मचारियों की परिभाषा में शामिल नहीं होंगे ;
- (ङ) 'परिवार' की परिभाषा वही होगी जो सामान्य भविष्य निधि (केन्द्रीय सेवा) नियमावली, 1960; अंशदायी भविष्य निधि (भारत) नियमावली, 1962, केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियमावली 1972; और नई परिभाषित अंशदान पेंशन योजना के लिए यथास्थिति तय की गई है;
- (च) 'वित्तीय अधिकारी' से तात्पर्य उस अधिकारी से है जिसे भारतीय अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान के निदेशक द्वारा लेखा प्रबंधन की जिम्मेदारी सौंपी गई है ;
- (छ) 'निधि' का अर्थ यथास्थिति भारतीय अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान की सामान्य भविष्य निधि अथवा भारतीय अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान की अंशदायी भविष्य निधि अथवा नई परिभाषित अंशदान पेंशन योजना से है ;
- (ज) 'सरकार' से तात्पर्य है अंतरिक्ष विभाग ;
- (झ) 'सरकारी प्रतिभूति' का वही अर्थ होगा जो कि लोक ऋण अधिनियम (1944 का 18) में तय किया गया है :

- (ज) संस्थान का अभिप्राय भारतीय अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान से है ;
- (ट) 'छुट्टी' का अभिप्राय के अक्काश और छुट्टी (अध्ययन छुट्टी सहित) नियमावली के अंतर्गत किसी मान्य छुट्टी से है ;
- (ठ) 'योजना' का अभिप्राय आई आई एस टी भविष्य निधि और पेशन योजना से है ;
- (ड) 'सेवा' से अभिप्राय संस्थान और/अथवा सरकार के अंतर्गत नियमित सेवा से है तथा इसमें किसी अन्य कार्यालय/स्थापना में दी गई सेवा शामिल है जिसके ऊपर सामान्य भविष्य निधि (केंद्रीय सेवा) नियमावली 1960, अथवा अंशदायी भविष्य निधि (भारत) नियमावली, 1962 अथवा नई परिभाषित अंशदान पेशन नियमावली यथास्थिति लागू होती हो ;
- (ढ) 'अंशदाता' से अभिप्राय एक कर्मचारी से है जो संस्थान के सामान्य भविष्य निधि अथवा संस्थान के अंशदायी भविष्य निधि अथवा नई परिभाषित अंशदान पेशन निधि में यथास्थिति अंशदान करता है ; और
- (ण) 'वर्ष' से तात्पर्य वित्तीय वर्ष से है जो 1 अप्रैल से प्रारंभ होता है।
- (2) इस योजना के अंतर्गत प्रयुक्त कोई अन्य अभिव्यक्तियां, जिन्हें भविष्य निधि अधिनियम, 1925 (1925 का 19) में अथवा आई आई एस टी द्वारा अपनाए गए मूलभूत नियमावली में परिभाषित किया गया उसका प्रयोग उसी परिभाषा के अर्थ में किया जाता है न कि यहां की परिभाषा के अर्थ में तथा उनका यथास्थिति क्रमशः भविष्य निधि अधिनियम, 1925 (1925 का 19) अथवा मूलभूत नियमावली के अनुरूप होगा।

### 3. योजना का अनुप्रयोग

#### 3.1 यह योजना निम्न के लिए लागू होगी :-

- (क) संस्थान के पंजीकरण के पश्चात् उसके नए भर्ती किए गए कर्मचारीगणों के लिए (ऐसे कर्मचारी भारत सरकार के समय-समय पर यथा संशोधित नई परिभाषित अंशदान पेशन नियमावली के द्वारा शासित होंगे)।

- (ख) सरकार (अंतरिक्ष विभाग) के कर्मचारी जिन्होंने सरकारी (अंतरिक्ष विभाग की) सेवा 01.01.2004 से पहले शुरू की है और संस्थान में स्थानांतरण के आधार पर नियुक्त किए गए हैं। ऐसे कर्मचारी या तो आई आई एस टी की सामान्य भविष्य निधि अथवा आई आई एस टी आंशदायी भविष्य निधि के अंशदाता होंगे जो इस बात पर निर्भर होगा कि वे सरकारी (अंतरिक्ष विभाग की) सेवा में किस योजना में अंशदान कर रहे थे) ;
- (ग) अन्य कार्यालयों/स्थापनाओं/शैक्षिक संस्थाओं (सरकारी/अनुदान प्राप्त) के कर्मचारीगण सामान्य भविष्य निधि (केंद्रीय सेवा ) नियमावली, 1960 अथवा आंशदायी भविष्य निधि (भारत) नियमावली, 1962 अथवा सदृश नियमावली द्वारा यथास्थिति शासित होंगे जिन्होंने ऐसे कार्यालयों / स्थापनाओं/शैक्षिक संस्थाओं (सरकारी/अनुदान प्राप्त) में 01.01.2004 से पूर्व सेवा शुरू की थी और जिन्हें त्यागपत्र देने के पश्चात् स्थानांतरण तथा तत्काल आमेलन के आधार पर अथवा वैसे कर्मचारियों को जिन्होंने इस संस्थान में नियुक्ति के लिए ऐसे कार्यालयों/स्थापनाओं/शैक्षिक संस्थाओं (सरकारी/अनुदान प्राप्त) से तकनीकी रूप में त्यागपत्र दिया है (ऐसे कर्मचारीगण आई आई एस टी की सामान्य भविष्य निधि अथवा आई आई एस टी आंशदायी भविष्य निधि में निधि के आधार पर यथास्थिति अंशदान करेंगे जैसा कि वे ऐसे कार्यालयों/स्थापनाओं/शैक्षिक संस्थाओं (सरकारी/अनुदान प्राप्त) में पहले कर रहे थे);
- (घ) सरकार (अंतरिक्ष विभाग) के कर्मचारीगण अथवा अन्य किसी कार्यालय स्थापना/शैक्षिक संस्थाओं (सरकारी/अनुदान प्राप्त) के कर्मचारीगण जिन्होंने भारत सरकार की नई परिभाषित अंशदान पेंशन नियमावली द्वारा शासित सरकारी (अंतरिक्ष विभाग) अथवा अन्य कार्यालय/स्थापना में 01.01.2004 के बाद नौकरी शुरू की थी और संस्थान में स्थानांतरण के आधार पर नियुक्त किए गए थे (वैसे कर्मचारीगण समय-समय पर यथा संशोधित भारत सरकार की नई परिभाषित अंशदान पेंशन नियमावली के अनुसार अंशदान करते रहेंगे ) ; और

**3.2** संस्थान में विद्यमान कर्मचारियों के मामले में आंशदायी भविष्य निधि अथवा सामान्य भविष्य निधि अथवा नई परिभाषित पेंशन योजना (जहां लागू हो सरकारी अंशदान और उस पर ब्याज सहित) यथास्थिति उनके खाते में जमा राशि जो कि एक पृथक बैंक खाते में रखी जाती है इस योजना के अंतर्गत संबंधित खाते में अंतरित कर दी जाएगी और ऐसी कार्रवाई के पश्चात् उस राशि को इस योजना के अंतर्गत की गई वसूली माना जाएगा ।

2528 4012-2

- 3.3 यह योजना नियत आधार पर काम करने वाले व्यक्तियों, अंशकालिक आधार पर काम पर लगाए गए लोगों अथवा ठेके पर कार्य कर रहे अथवा बाह्य एजेंसियों की वित्तीय सहायता से प्रयोजित परियोजनाओं में काम करने वाले व्यक्तियों जो कि संस्थान में नियमित पदधारी नहीं हैं, उन पर लागू नहीं होगी ।

#### 4. निधियों का गठन

- 4.1 निधियां संस्थान के निदेशक द्वारा गठित न्यासी बोर्ड के पास रहेगी तथा बोर्ड के द्वारा उसका प्रबंधन किया जाएगा। न्यासी बोर्ड के कार्यकरण हेतु नियम और विनियम आई आई एस टी प्रबंधन बोर्ड के अध्यक्ष द्वारा प्रदत्त अनुमोदन के अनुसार होंगे जिन्हें उन नियमों के परिशिष्ट के रूप में वर्णित किया जाएगा ।
- 4.2 इस योजना के अंतर्गत निधियों का रख-रखाव रुपये में किया जाएगा। इन नियमों के अंतर्गत सभी जमा की गई और निकाली गई राशि को समय-समय पर यथा संशोधित तथा भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम 1934 (1934 का 2) में परिभाषित किसी बैंकिंग कंपनी में न्यासी बोर्ड द्वारा खाले गए एवं प्रचालित एक राता - आई आई एस टी भविष्य/पेंशन निधियों में जमा किया जाएगा अथवा नामें प्रविष्ट किया जाएगा ।

#### 5. योजना की सदस्यता

- 5.1 (क) संस्थान के प्रत्येक कर्मचारी के लिए निधि की सदस्यता अनिवार्य है जिनके लिए उपर्युक्त पैरा के अंतर्गत यह योजना लागू है।
- 5.1 (ख) किसी अन्य कार्यालय/स्थापना/शैक्षिक संस्थाओं (सरकारी/अनुदान प्राप्त) में संस्थान के कर्मचारियों द्वारा प्रदत्त सेवाएं जिस पर सामान्य भविष्य निधि (केंद्रीय सेवा) नियमावली, 1960, अथवा अंशदायी भविष्य निधि (भारत) नियमावली, 1962, अथवा भारत सरकार की नई परिभाषित अंशदान पेंशन नियमावली अथवा सदृश नियमावली संस्थान / सरकार (अंतरिक्ष विभाग) की सेवा करने के पूर्व के अनुसार लागू होंगे तथा इन नियमों के उद्देश्य से इसे संस्थान में समुचित रूप से प्रदत्त सेवा माना जाएगा ।

बशर्ते कि ऐसे किसी कर्मचारी ने अन्य कार्यालय/ स्थापना/शैक्षिक संस्थान (सरकारी/अनुदान प्राप्त) से इस संस्थान/सरकार (अंतरिक्ष विभाग) की नौकरी पाने हेतु तकनीकी रूप में त्यागपत्र दिया था और उनके भविष्य निधि खाते में जमा शेष राशि को संस्थान/सरकार (अंतरिक्ष विभाग) में उसके नए खाते में अंतरित कर दिया गया है।

बशर्ते कि अन्य कार्यालय/स्थपना/शैक्षिक संस्थाओं (सरकार अनुदान प्राप्त) द्वारा पेंशन अंशदान का भुगतान किया गया है / किया गया था;

बशर्ते कि इसके बाद सरकार (अंतरिक्ष विभाग) से स्थानांतरण के आधार पर संस्थान में नियुक्त किए गए कर्मचारियों के मामले में पेंशन अंशदान के भुगतान के संबंध में सरकार (अंतरिक्ष विभाग) द्वारा जारी किए गए आदेश लागू होंगे ।

- 5.2 उन कर्मचारियों में से वैसे कर्मचारीगण जिन्हें यथास्थिति इन नियमों के अंतर्गत आई आई एस टी सामान्य भविष्य निधि में रखा गया है अथवा उनके परिवार के पात्र सदस्य समय-समय पर संशोधित नियमों के अनुसार यथास्थिति केंद्रीय सिविल सेवा पेंशन नियमावली, 1972 (पारिवारिक पेंशन 1964 सहित) केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन का संराशिकरण 1981, तथा पेंशन के बकाये का भुगतान (नामांकन) नियमावली, 1983 के अंतर्गत पेंशन, उपदान इत्यादि पाने के पात्र होंगे ।
- 5.3 उन कर्मचारियों में से वैसे कर्मचारीगण जिन्हें इन नियमों के अंतर्गत आई आई एस टी अंशदायी भविष्य निधि में रखा गया है किसी पेंशन के हकदार नहीं होंगे परंतु वे संस्थान से एक अंशदान प्राप्त करेंगे जो कि यथास्थिति अंशदायी भविष्य निधि (भारत) नियमावली, 1962 और उपदान के लिए भी निर्धारित एक वर्ष अथवा अवधि के कार्य के दौरान अंशदाता की परिलब्धियों से की गई निकासी के प्रतिशत के बराबर होगा ।
- 5.4 वैसे कर्मचारीगण जिन्हें नई परिभाषित अंशदान पेंशन नियमावली में रखा गया है में भारत सरकार की नई परिभाषित अंशदान पेंशन नियमावली के अंतर्गत उपलब्ध लाभ पाने के पात्र होंगे ।
- 5.5 कर्मचारियों के द्वारा संबंधित निधि में अंशदान की दर समय-समय पर संशोधित यथास्थिति भारत सरकार की सामान्य भविष्य निधि (केंद्रीय सेवा) 1960 अथवा अंशदायी भविष्य निधि (भारत) नियमावली, 1962 अथवा नई परिभाषित अंशदान पेंशन नियमावली के अनुसार होगी

## 6. विकल्प

- 6.1 इसमें उपर्युक्त खंड 3.1(ख) के अंतर्गत आनेवाले तथा आई आई एस टी अंशदायी भविष्य निधि में अंशदान करने वाले वैज्ञानिक/तकनीकी/संकाय कार्मिकों को किसी भी समय परंतु बीस (20) वर्षों की अर्हक सेवा पूरी करने से पूर्व अपनी इच्छानुसार आई आई एस टी अंशदायी भविष्य निधि से पेंशन सहित आई आई एसटी सामान्य भविष्य निधि में जाने अथवा नियमानुसार आई आई एस टी अंशदायी भविष्य निधि में अंशदान जारी रखने का एक विकल्प हो मिलेगा। वैसे कर्मचारी जो निर्धारित अवधि के अंदर कोई भी विकल्प नहीं चुनते हैं उपरोक्तानुसार पेंशन सहित आई आई एस टी सामान्य भविष्य निधि में जाने का विकल्प देने वाले माने जाएंगे। एक बार बताया गया विकल्प अंतिम होगा और पेंशन नियमावली से सी पी एफ नियमावली जाने की अनुमति नहीं होगी ।
- 6.2 वैसे वैज्ञानिक /तकनीकी/संकाय कार्मिकों के लिए जिन्होंने पहले ही बीस (20) वर्षों की अर्हक सेवा पूरी कर ली है अथवा उपरोक्तानुसार खंड 3.1 में वर्णित कर्मचारियों के लिए कोई विकल्प नहीं होगा।

## 7. योजना का प्रबंधन

7.1 नामांकन, अंशदान, ब्याज एवं अंशदान, कटौती, अग्रिम एवं वापसी, आंशिक-अंतिम एवं अंतिम निपटान, जमा से जुड़ी बीमा इत्यादि जैसे लेखाओं के रख-रखाव और योजना के प्रबंधन से संबंधित नियम और विनियम यथास्थिति भारत सरकार के (i) सामान्य भविष्य निधि (केन्द्रीय सेवा) नियमावली, 1960(ii) अंशदायी भविष्य निधि (भारत) नियमावली, 1962(iii) केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियमावली, 1972 (iv) केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन का संराशिकरण नियमावली), 1981,(v) पेंशन के बकाये का भुगतान नामांकन नियमावली, 1983 (vi) केन्द्रीय सिविल सेवा (स्वास्थ्य परीक्षा) नियमावली, 1957(vii) केन्द्रीय सरकार लेखा (प्राप्तियां और भुगतान) नियमावली, 1983(viii) सिविल लेखा नियम पुस्तक, और (x)नई परिभाषित अंशदान पेंशन से संबंधित नियमों और विनियमों के अनुसार होंगे तथा उनमें निम्नलिखित संशोधन किए जाएंगे:

- (क) सामान्य परिस्थितियों में अग्रिम की मंजूरी के लिए कुल सचिव अथवा संस्थान के निदेशक द्वारा प्राधिकृत कोई अन्य अधिकारी प्राधिकृत अधिकारी होगा; और
- (ख) विशेष परिस्थितियों अथवा आंशिक-अंतिम निकासी के मामलों में अग्रिम की मंजूरी हेतु प्राधिकृत अधिकारी निदेशक अथवा उसके द्वारा प्राधिकृत कोई अन्य अधिकारी होगा।

7.2 उपर्युक्त निधियों से संबंधित नियमावली/ नियम पुस्तक के अनुप्रयोग में

- (i) 'सरकार' को संस्थान पढ़ा जाएगा,
- (ii) 'सरकारी सेवक' को संस्थान का कर्मचारी था। पढ़ा जाएगा ; और
- (iii) विभाग प्रमुख को संस्थान का निदेशक पढ़ा जाएगा।

## 8. निधियों का निवेश

न्यासी बोर्ड समय-समय पर भारत सरकार द्वारा अनुमोदित निवेश प्रतिरूप के अनुसार आई.आई.एस.टी. सामान्य भविष्य, आई.आई.एस.टी. अंशदायी भविष्य निधि और नई परिभाषित अंशदान पेंशन नियमावली में सभी वेतन वृद्धि से संबंधित अभिवृद्धियों का निवेश करेगा।

## 9. निधियों के लेखे की लेखा परीक्षा

निधियों के लेखे की लेखा-परीक्षा प्रति वर्ष उसी लेखा परीक्षक द्वारा की जाएगी जो संस्थान के लेखे की लेखा परीक्षा करेगा। निधियों के लेखे को लेखा परिक्षित विवरण न्यास के अध्यक्ष द्वारा संस्थान के निदेशक को सौंपा जाएगा जो उसे संस्थान के प्रबंधन बोर्ड की अगली बैठक में सूचनार्थ और निर्देश हेतु, यदि कोई हो तो, रखवाएगा।

## 10. अर्थ निर्वचन

इन नियमों के किसी प्रावधान की व्याख्या में संदेह उत्पन्न होने की स्थिति में उसे सरकार (अन्तरिक्ष विभाग) को भेजा जाएगा और विभाग का निर्णय अंतिम और बाध्यकारी होगा।



## 11. छूट देने की शक्ति

जहाँ संस्थान संतुष्ट है कि किसी नियम अथवा प्रावधान के प्रचालन से किसी मामले में अनावश्यक कठिनाई होगी, संस्थान प्रबंधन बोर्ड के अध्यक्ष की पूर्वानुमति से न्यायसंगत तथा समानता के आधार पर किसी मामले से निपटने हेतु आवश्यकतानुसार उस हद तक और ऐसे अपवादों के अनुसार किसी नियम अथवा प्रावधान को शिथिल कर सकता है अथवा उसमें छूट प्रदान कर सकता है ।

## 12. नियमों का संशोधन

12.1 जब तक कि संस्थान के प्रबंधन बोर्ड द्वारा अन्यथा निर्णय न लिया गया हो यथास्थिति भारत सरकार की (i) सामान्य भविष्य निधि (केन्द्रीय सेवा) नियमावली, 1960, (ii) अंशदायी भविष्य निधि (भारत) नियमावली, 1962, (iii) केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियमावली, 1972, (iv) केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन का संराशिकरण) नियमावली, 1981, (v) पेंशन के बकाए का भुगतान (नामांकन) नियमावली, 1983, (vi) केन्द्रीय सिविल सेवा (चिकित्सा जाँच), नियमावली, 1957, (vii) केन्द्रीय सरकार लेखा (प्राप्तियाँ और भुगतान) नियमावली, 1983, (viii) सिविल लेखा नियम पुस्तक और (ix) नई परिभाषित अंशदान पेंशन नियमावली आवश्यक परिवर्तन सहित इन नियमों के लिए लागू होगी

12.2 कोई अन्य आदेश अथवा इन नियमों में संशोधन जो कि यथास्थिति भारत सरकार की (i) सामान्य भविष्य निधि (केन्द्रीय सेवा) नियमावली, 1960, (ii) अंशदायी भविष्य निधि (भारत) नियमावली, 1962, (iii) केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियमावली, 1972, (iv) केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन का संराशिकरण) नियमावली, 1981, (v) पेंशन के बकाए का भुगतान (नामांकन) नियमावली, 1983, (vi) केन्द्रीय सिविल सेवा (चिकित्सा जाँच), नियमावली, 1957, (vii) केन्द्रीय सरकार लेखा (प्राप्तियाँ और भुगतान) नियमावली, 1983, (viii) सिविल लेखा नियम पुस्तक और (ix) नई परिभाषित अंशदान पेंशन नियमावली के अनुरूप नहीं है उसे अपवादिक मामले में संस्थान के प्रबंधन बोर्ड और सरकार (अन्तरिक्ष विभाग) की पूर्वानुमति से संस्थान द्वारा तैयार किया जाएगा ।

## 13. योजना की समीक्षा

स्वपोषण हेतु समुचित क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के लिए प्रत्येक दो वर्षों के अंतराल पर योजना के प्रबंधन की समीक्षा की जाएगी और इस समीक्षा के परिणाम यथावश्यक सूचना एवं निर्देश हेतु प्रबंधन बोर्ड को सूचित किए जाएंगे ।

\*\*\*\*\*

2528 4/12-3

**परिशिष्ट**

- 1.1 आई.आई.एस.टी. भविष्य निधि और पेंशन योजना का नियम 4.1 विनिर्दिष्ट करता है कि आई.आई.एस.टी. सामान्य भविष्य निधि, आई.आई.एस.टी. अंशदायी भविष्य निधि और नई परिभाषित अंशदान पेंशन निधि संस्थान के निदेशक द्वारा गठित न्यासी बोर्ड के पास होगी तथा वे ही इसका प्रबंधन करेंगे और यह न्यासी बोर्ड के कार्यकरण के लिए नियमों एवं विनियमों को बनाने का प्रावधान करता है ।
- 1.2 तदनुसार, आई.आई.एस.टी. भविष्य निधि और पेंशन योजना के न्यासी बोर्ड द्वारा अनुपालन किए जाने वाले नियम और विनियम निम्न प्रकार होंगे ।
2. संस्थान का प्रत्येक कर्मचारी आई.आई.एस.टी. भविष्य निधि और पेंशन योजना के नियम 5.5 के अंतर्गत निर्धारित लागू दरों पर निधियों (आई.आई.एस.टी.) भविष्य निधि, आई.आई.एस.टी. अंशदायी भविष्य निधि तथा नई परिभाषित अंशदान पेंशन निधि में अंशदान करेगा ।
3. आई.आई.एस.टी. भविष्य निधि योजना का रख-रखाव रुपये में किया जाएगा । इन नियमों के अंतर्गत समय-समय पर यथासंशोधित भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम 1934 (1934 का 2) में यथा परिभाषित किसी बैंकिंग कंपनी में न्यासी बोर्ड द्वारा खोले और प्रचालित किए जाने वाले “भारतीय अन्तरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान (आई.आई.एस.टी.) भविष्य निधि/पेंशन निधि” जैसे समुचित खाते में यथास्थिति जमा किया जाएगा अथवा नामे प्रविष्ट किया जाएगा ।
4. **न्यासी बोर्ड**
  - 4.1 न्यासी बोर्ड में संस्थान के प्रतिनिधियों और निधियों के सदस्यों की संख्या बराबर होगी जोकि निधियों के प्रशासन से संबंधित सभी मुद्दों की देखभाल करेंगे बशर्ते कि निम्नलिखित प्रतिनिधित्व के साथ न्यासियों की संख्या आठ (8) हो:
    - i) चार (4) प्रतिनिधियों को संस्थान के निदेशक द्वारा नामित किया जाएगा;
    - ii) एक (1) प्रतिनिधि को आई.आई.एस.टी. सामान्य भविष्य निधि में अंशदान करने वाले कर्मचारियों के बीच से यथास्थिति नामित/चयनित किया जाएगा;
    - iii) ऐसे (1) प्रतिनिधि को आई.आई.एस.टी. अंशदायी भविष्य निधि में अंशदान करने वाले कर्मचारियों के बीच से यथास्थिति नामित/चयनित किया जाएगा ; और
    - iv) दो (2) प्रतिनिधियों को नई परिभाषित अंशदान पेंशन योजना में अंशदान करने वाले कर्मचारियों के बीच से यथास्थिति नामित/चयनित किया जाएगा ।

4.2 निधियों के अंशधारियों के बीच उपरोक्तानुसार न्यासिता के वितरण में कोई परिवर्तन संस्थान का निदेशक संस्थान के प्रबंधन बोर्ड के अध्यक्ष की पूर्वानुमति प्राप्त करने के बाद करेगा ।

4.3 न्यासी बोर्ड का अध्यक्ष संस्थान का प्रतिनिधित्व करने वाले न्यासियों में से एक होगा और उसे संस्थान के निदेशक द्वारा इस प्रकार नामित किया जाएगा ।

## 5. न्यासी बोर्ड की बैठकें

5.1 न्यासी बोर्ड कार्य संचालन हेतु जैसा उचित समझे बैठक बुला सकता है और उसे स्थगित कर सकता है तथा बैठकों को नियंत्रित कर सकता है । अध्यक्ष जब कभी उचित समझता है, निधियों के सदस्यों के कम से कम एक-तिहाई (1/3) सदस्यों से लिखित अनुरोध प्राप्त करने के पंद्रह (15) दिनों के भीतर बैठक बुला सकता है बशर्ते कि न्यासी बोर्ड कम से कम तीन महीने में एक बार बैठक बुलाए । बैठक की तिथि, समय और स्थान की सूचना और उसकी कार्यसूची न्यासियों को न्यासी बोर्ड के अध्यक्ष द्वारा बैठक से कम से कम सात (7) दिन पूर्व दी जाएगी परन्तु न्यासी बोर्ड का अध्यक्ष अपने विचार में किसी बात को अत्यावश्यक समझकर जब बैठक बुलाता है उसके द्वारा इस प्रकार दिए गए उचित समय की पर्याप्त माना जाएगा ।

5.2 न्यासी बोर्ड का अध्यक्ष अपनी उपस्थिति में आयोजित न्यासी बोर्ड के प्रत्येक बैठक की अध्यक्षता करेगा/करेगी । उसके पास एक न्यासी के अतिरिक्त एक निर्णायक मत भी होगा । यदि न्यासी का अध्यक्ष अनुपस्थित है तो उपस्थित न्यासी किसी एक को बैठक की अध्यक्षता करने हेतु चुन सकते हैं और इस प्रकार चुने गए न्यासी बोर्ड के अध्यक्ष को एक निर्णायक मत का अधिकार सहित अध्यक्ष की सारी शक्तियाँ होंगी । न्यासियों की किसी बैठक में किसी छः (6) न्यासियों - तीन (3) संस्थान का प्रतिनिधित्व करने वाले और तीन (3) निधियों का प्रतिनिधित्व करने वाले एक कोरम बनाएंगे । यदि किसी बैठक में न्यासियों की संख्या आवश्यक कोरम से कम हो न्यासी बोर्ड का अध्यक्ष न्यासियों को स्थगित बैठक की तिथि, समय और स्थान की सूचना देकर मूल बैठक की तिथि से सात (7) दिनों के लिए बैठक को स्थगित करेगा और यह विधिसम्मत होगा कि न्यासियों की उपस्थित संख्या पर ध्यान दिए बिना उस स्थगित बैठक के कार्यों को पूरा किया जाए ।

5.3 न्यासी बोर्ड की बैठक में विचार किए गए सभी मुद्दों पर उपस्थित और वोट डालने वाले न्यासियों के बहुमत के आधार पर निर्णय लिया जाएगा । बार-बार वोट पड़ने की स्थिति में न्यासी बोर्ड का अध्यक्ष अपने निर्णायक मत का प्रयोग करेगा । न्यासियों की बैठक में लिए गए किसी भी निर्णय को सभी न्यासियों के द्वारा लिया गया निर्णय माना जाएगा परन्तु नियम के अंतर्गत आनेवाले सदस्यों के हित के लिए पक्षपातपूर्ण निर्णय के विरुद्ध निदेशक को अपील किया जा सकेगा और उस पर दिया गया निदेशक का निर्णय अंतिम तथा बाध्यकारी होगा ।

- 5.4 न्यासियों के नाम दर्शाते हुए न्यासी बोर्ड की बैठक के कार्यवृत्त बैठक के सात (7) दिनों के भीतर न्यासियों के अनुमोदन हेतु परिचालित किए जाएंगे । तत्पश्चात् कार्यवृत्त को कार्यवृत्त पुस्तिका में स्थाई अभिलेख के रूप में रिकार्ड किया जाएगा । प्रत्येक बैठक के कार्यवृत्त के रिकार्डों पर अगली बैठक में न्यासी बोर्ड द्वारा विचार किए जाने पर यदि कोई संशोधन हो तो उसकी पुष्टि के पश्चात् न्यासी बोर्ड के अध्यक्ष द्वारा हस्ताक्षर किए जाएंगे । इस प्रकार दर्ज किए गए और हस्ताक्षरित बैठकों के कार्यवृत्त की एक प्रति संस्थान के निदेशक को प्रदान की जाएगी ।
6. **न्यासी बोर्ड की पदावधि:** न्यासी बोर्ड के सदस्यों की पदावधि यथास्थिति नामांकन अथवा चयन की तिथि से दो (2) वर्षों की होगी । निवर्तमान न्यासी यथास्थिति पुनर्नामांकन अथवा पुनर्चयन हेतु पात्र होगा ।
7. **न्यासी का पदत्याग:** कोई न्यासी बोर्ड के अध्यक्ष को लिखित पत्र भेज कर अपने पद का त्याग कर सकता है और न्यासी बोर्ड के अध्यक्ष द्वारा उस तयागपत्र की स्वीकृति की तिथि से वह पद रिक्त हो जाएगा ।
8. **मृत्यु इत्यादि के कारण न्यासिता की समाप्ति:** मृत्यु अथवा किसी अन्य कारण से किसी न्यासी द्वारा पद रिक्त करने की स्थिति में संस्थान के निदेशक द्वारा नामांकन के आधार पर नए न्यासी को नियुक्त किया जा सकता है यदि रिक्त की गई न्यासिता संस्थान के निदेशक के प्रतिनिधित्व की हो । यदि खाली की गई न्यासिता निधियों के सदस्यों के प्रतिनिधित्व की हो, एक नए न्यासी को संबंधित मान्यता प्राप्त सेवा संघ/यूनियन द्वारा संबंधित निधि के सदस्यों में से नामांकन के आधार पर अथवा संबंधित निधि के सदस्यों द्वारा चयन के आधार पर नियुक्त किया जा सकता है । तथापि, इस प्रकार संस्थान के निदेशक द्वारा अथवा मान्यता प्राप्त सेवा संघ/यूनियन द्वारा नामित अथवा चयनित न्यासी न्यासी बोर्ड की शेष बची हुई अवधि के लिए ही पद पर रहेगा ।
9. **संस्थान के निदेशक द्वारा न्यासियों का नामांकन:** संस्थान का निदेशक संस्थान/सरकार के अधिकारियों में से अपने प्रतिनिधियों को नामित करेगा । संस्थान इस प्रकार चार (4) लोगों को नामांकित करेगा । एक निवर्तमान न्यासी संस्थान के निदेशक द्वारा पुनर्नामित किए जाने हेतु पात्र होगा ।
10. **मान्यता प्राप्त सेवा संस्थाओं/यूनियनों द्वारा न्यासियों का नामांकन**
- 10.1 यदि संस्थान ने कर्मचारियों के किसी सेवा संघ (संघों)/यूनियन (यूनियनों) को मान्यता प्रदान की है ऐसे मान्यता प्राप्त संघ/यूनियन दो (2) से अधिक नहीं होंगे और निम्नानुसार इन नियमों के अंतर्गत आनेवाले सदस्यों में से समुचित रूप में चार (4) प्रतिनिधियों को नामित करेंगे:

- 1) यदि दो मान्यता प्राप्त सेवा संघ/यूनियन हो तो -

- (i) जिस मान्यता प्राप्त सेवा संघ/यूनियन ने कर्मचारियों की सदस्यता की सर्वाधिक प्रतिशतता प्राप्त की है, तीन (3) सदस्यों - आई.आई.एस.टी. सामान्य भविष्य निधि में अंशदान करने वालों में से एक (1) सदस्य, आई.आई.एस.टी. अंशदायी भविष्य निधि में अंशदान करने वालों में से एक (1) सदस्य, और नई परिभाषित अंशदान पेंशन निधि में अंशदान करने वाले सदस्यों में से एक (1) सदस्य को नामित करेगा ; और
- (ii) जिस मान्यता प्राप्त सेवा संघ/यूनियन ने कर्मचारियों की सदस्यता की दूसरी सर्वाधिक प्रतिशतता प्राप्त की है, नई परिभाषित अंशदान पेंशन निधि में अंशदान करने वालों में से एक सदस्य को नामित करेगा ।

- 2) यदि मान्यता प्राप्त सेवा संघ/यूनियन केवल एक हो तो चार (4) सदस्यों - आई.आई.एस.टी. सामान्य भविष्य निधि में अंशदान करने वालों में से एक (1) सदस्य, आई.आई.एस.टी. अंशदायी पेंशन निधि में अंशदान करने वालों में से एक (1) सदस्य और नई परिभाषित अंशदान पेंशन निधि में अंशदान करने वालों में से दो (2) सदस्यों को नामित करने की अनुमति होगी ।

10.2 निधियों के अंशधारियों में से उपरोक्तानुसार न्यासिता के वितरण में कोई परिवर्तन संस्थान के प्रबंधन बोर्ड के अध्यक्ष की पूर्वानुमति से किया जाएगा ।

10.3 निवर्तमान न्यासी संबंधित मान्यता प्राप्त सेवा संघ/यूनियन द्वारा पुनर्नामित किए जाने हेतु पात्र होगा ।

11.1 निधि के सदस्यों के प्रतिनिधियों का न्यासियों के रूप में चयन: यदि संस्थान में कोई मान्यता प्राप्त सेवा संघ/यूनियन नहीं है, निधियों के सदस्यों के प्रतिनिधियों का न्यासियों के रूप में नियुक्ति हेतु निम्न प्रकार से चयन किया जाएगा ।

11.2 निधि के सदस्यों का न्यासियों के रूप में चयन हेतु अर्हता: कोई भी कर्मचारी जो कि निधियों का एक सदस्य है यदि उसे नामित किया जाए संबंधित निधि के सदस्यों का प्रतिनिधित्व करने वाले एक न्यासी के चयन हेतु उम्मीदवार हो सकता है । एक निवर्तमान न्यासी पुनर्चयन हेतु पात्र होगा ।

### 11.3 न्यासियों के चयन की प्रक्रिया

11.3.1 संस्थान का निदेशक चुनाव के आयोजन हेतु निर्वाचन अधिकारी को नियुक्त करेगा । इस प्रकार नियुक्त किया गया चुनाव अधिकारी नियम के अंतर्गत आने वाले सदस्यों के प्रतिनिधियों का न्यासियों के रूप में चुनाव हेतु उम्मीदवारों से नामांकन प्राप्त होने के बाद एक तिथि निर्धारित करेगा । वह नामांकन वापस लेने और चुनाव की तिथि का भी निर्धारण करेगा/करेगी जो कि नामांकन वापस लेने की अंतिम तिथि से तीन (3)

2528 9/12-4

दिनों से पहले अथवा दस (10) दिनों के बाद नहीं होगा । इस प्रकार निर्धारित की गई तिथि की सूचना निधि के सदस्यों को कम से कम सात (7) दिन पूर्व संस्थान के सूचना पट्ट (पट्टी) के माध्यम से दी जाएगी । इस सूचना में योजना के सदस्यों में से भरी जाने वाली सीटों की संख्या का भी उल्लेख किया जाएगा । नामांकन हेतु आमंत्रण, चुनाव की सूचना, चुनाव के परिणाम इत्यादि से संबंधित सूचना की एक प्रति चुनाव अधिकारी द्वारा संस्थान के निदेशक को सौंपी जाएगी ।

**11.3.2** प्रत्येक नामांकन चुनाव अधिकारी द्वारा निर्धारित प्रपत्र में ही किया जाएगा । प्रत्येक नामांकन पत्र पर संबंधित उम्मीदवार और उपयुक्त निधि के एक प्रस्तावकर्ता सदस्य के हस्ताक्षर होंगे । साथ ही, उपयुक्त निधि के दो समर्थकों द्वारा उसे अनुप्रमाणित किया जाएगा और नामांकन प्राप्ति हेतु निर्धारित अंतिम तिथि और निर्धारित समय पर अथवा उससे पहले चुनाव अधिकारी को सुपुर्द कर दिया जाएगा ।

**11.3.3** चुनाव अधिकारी नामांकन पत्र वापस लेने के लिए निर्धारित अंतिम तिथि के अगले दिन प्राप्त नामांकन पत्रों की जाँच करेगा । प्राप्त नामांकनों की जाँच करते समय यदि चाहें तो, उम्मीदवार अथवा उनके नामिती और/अथवा प्रस्तावक अथवा समर्थक उपस्थित रह सकते हैं ।

**11.3.4** यदि वैध रूप से नामित उम्मीदवारों की संख्या सीटों की संख्या के बराबर है तो उम्मीदवारों को तत्काल उचित रूप से चयनित घोषित कर दिया जाएगा ।

**11.3.5** यदि वैध रूप से नामित उम्मीदवारों की संख्या सीटों की संख्या से कम है तो उम्मीदवारों को तत्काल उचित रूप से चयनित घोषित कर दिया जाएगा । निर्विरोध बची सीटों को संबंधित निधि के सदस्यों में से नामांकन द्वारा संस्थान का निदेशक भरेगा ।

**11.3.6** यदि वैध रूप से नामित उम्मीदवारों की संख्या उपलब्ध सीटों की संख्या से अधिक हो तो चुनाव के लिए निर्धारित तिथि और समय पर मतदान होगा जो चुनाव अधिकारी आयोजित करेगा ।

**11.3.7** संबंधित निधि के प्रत्येक सदस्य के पास उतने ही मत होंगे जितने संबंधित निधि के चुनाव द्वारा भरी जाने वाली सीटें हैं, परंतु निधि का ऐसा प्रत्येक सदस्य किसी उम्मीदवार के पक्ष में केवल एक मत डालने का अधिकारी होगा ।

**11.3.8** गुप्त मतदान द्वारा मत डाले जाएंगे ।

**12.** संस्थान के निदेशक द्वारा न्यासी बोर्ड का गठन किया जाएगा और न्यास अधिनियम, 1882 के अंतर्गत न्यास को उचित रूप में पंजीकृत किया जाएगा ।

**13.** किसी न्यासी की अनर्हता: किसी निधि के सदस्य को किसी बोर्ड का न्यासी बनने से अनर्हक घोषित कर दिया जाएगा -

- क) यदि उसे किसी संक्षम कानूनी अदालत द्वारा विकृतचित्त का घोषित किया गया हो; अथवा
- ख) यदि वह एक अमुक्त दिवालिया हो; अथवा
- ग) यदि उसे किसी नैतिक परिवर्हीनता के अपराध में दोषी पाया गया हो; अथवा
- घ) यदि उसने निधि अथवा इन नियमों के अंतर्गत वसूली योग्य न्यासी बोर्ड को बकाए का भुगतान न करने का दोष किया हो ।
14. **भारत से अनुपस्थिति:** एक न्यासी भारत छोड़ने से पहले न्यासी बोर्ड के अध्यक्ष को भारत से जाने और भारत वापस लौटने की तिथियों की जानकारी देगा । यदि कोई न्यासी छ(6) माह से अधिक समय तक अनुपस्थित रहना चाहता/चाहती है तो उसे पदत्याग करना/करनी पड़ेगा/पड़ेगी । यदि कोई न्यासी न्यासी बोर्ड के अध्यक्ष को बिना सूचित किए छ: (6) माह अथवा उससे अधिक अवधि के लिए भारत छोड़ता है तो ऐसा मान लिया जाएगा कि उसने पदत्याग कर दिया है ।
15. **आकस्मिक रिक्तियों को भरना:** यदि कोई नामित अथवा चयनित न्यासी न्यासी बोर्ड के कार्यकाल के दौरान न्यासी न रह जाए तो उसे नामांकन अथवा चुनाव के लिए पूर्व में बताए गए तरीके से यथास्थिति उनके उत्तराधिकारी को नामित अथवा चयनित किया जाएगा ।
16. **किसी न्यासी को हटाना:** संस्थान के निदेशक और कर्मचारियों के मान्यता प्राप्त संघ (संघों)/यूनियन (यूनियनों) को अपने विवेक से संबंधित नामित न्यासियों को न्यासी बोर्ड से हटाने का अधिकार होगा । ऐसे मामले में इस प्रकार का निर्णय लेने से कम से कम पंद्रह (15) दिन पूर्व, यथास्थिति, संस्थान के निदेशक अथवा मान्यता प्राप्त संघ (संघों)/यूनियन (यूनियनों) द्वारा तदनुसार अध्यक्ष को सूचित किया जाएगा ।
17. **न्यासिता का समापन और पुनर्स्थापन:** कोई न्यासी न्यासी बोर्ड में नहीं रह पाएगा/पाएगी यदि वह -
- क) निधि की सदस्यता समाप्त करता/करती है; अथवा
- ख) मान्यता प्राप्त सेवा संघ/यूनियन का नामिती है और सेवा संघ/यूनियन अपनी मान्यता खो देता है; अथवा
- ग) उपरोक्तानुसार नियम 13 और 14 के अंतर्गत वर्णित किसी कारण अनर्हक बन जाता है; अथवा
- घ) न्यासी बोर्ड के अध्यक्ष से अनुपस्थिति की छुट्टी प्राप्त किए बिना न्यासी बोर्ड की लगातार दो बैठकों में भाग नहीं लेता है परंतु न्यासी बोर्ड का अध्यक्ष उसकी अनुपस्थिति के विवेकपूर्ण कारणों से संतुष्ट होकर उसकी न्यासिता पुनःस्थापित कर सकता है; अथवा
- ड) यदि निदेशक के मत में वह न्यासी बोर्ड के हित का प्रतिनिधित्व करना बंद कर दे,

परन्तु ऐसे किसी न्यासी को प्रस्तावित कार्यवाई के बदले अन्यावेदन का उचित अवसर दिए बिना उपर्युक्त उप खण्ड (ग), (घ) और (ङ) के अंतर्गत पद से नहीं हटाया जाएगा ।

## 18. न्यासी बोर्ड का अधिक्रमण

18.1 यदि संस्थान का निदेशक संतुष्ट है कि न्यासी बोर्ड ने अपने कर्तव्य के निर्वहन में गलती की है अथवा अपनी शक्ति का दुरुपयोग किया है, वह उपरोक्तानुसार तरीके से न्यासी बोर्ड का अधिक्रमण कर सकता है तथा उसे पुनर्गठित कर सकता है, परन्तु ऐसा अधिक्रमण करने से पूर्व संस्थान का निदेशक न्यासी बोर्ड को कारण बताने का उचित अवसर प्रदान करेगा कि क्यों न इस बोर्ड का अधिक्रमण कर दिया जाए और यदि कोई न्यासी बोर्ड की व्याख्या अथवा आपत्तियाँ हैं तो उन पर विचार करेगा ।

18.2 न्यासी बोर्ड के अधिक्रमण के पश्चात् और उपरोक्तानुसार निर्धारित तरीके से जब तक इसका पुनर्गठन नहीं हो जाता है संस्थान के निदेशक द्वारा इस उद्देश्य के लिए नियुक्त किए गए ऐसे अधिकारियों द्वारा न्यासी बोर्ड के कर्तव्यों और कार्यों का संपादन किया जाएगा, परन्तु मध्यावधि में न्यासी बोर्ड के कर्तव्यों और कार्यों का संपादन करने हेतु किसी ऐसे निवर्तमान न्यासी को संस्थान के निदेशक द्वारा नियुक्त नहीं किया जाएगा ।

## 19. न्यासियों के उत्तरदायित्व

19.1 न्यासी बोर्ड प्रत्येक निधि के लिए प्रत्येक कर्मचारी के मामले में उनके द्वारा किए गए अंशदान के जमा, अग्रिम एवं की गई निकासी और उन पर दिए गए ब्याज को स्पष्टतः दिखाने हेतु विस्तृत लेखा विवरण तैयार रखेगा ।

19.2 न्यासी बोर्ड देय तिथियों के अंदर संबंधित अधिकारियों को उचित विवरण प्रस्तुत करेगा ।

19.3 न्यासी बोर्ड भारत सरकार द्वारा समय-समय पर अनुमोदित निवेश प्रतिरूप के अनुसार सभी वेतनवृद्धि संबंधी अभिवृद्धियों का आई.आई.एस.टी. सामान्य भविष्य निधि, आई.आई.एस.टी. अंशदायी भविष्य निधि और नई परिभाषित अंशदान पेंशन निधि में निवेश करेगा । निधियों के प्रशासन हेतु अपने कर्तव्यों के निर्वहन के लिए किसी कार्यवाही, लागत, माँग, शुल्कों के दावे क्षतियों, उनकी लापरवाही अथवा गलती के अलावे हुई हानियों अथवा देयताओं के विरुद्ध न्यासियों को सुरक्षा प्रदान की जाएगी ।

19.4 जहाँ आवश्यक हो न्यासीगण किसी कर्मचारी के भविष्य निधि खाते का अंतरण करेंगे ।

20. किसी न्यासी को यात्रा भत्ता और दैनिक भत्ता: निधि के प्रशासन से संबंधित किसी यात्रा के लिए किसी न्यासी को दिया जाने वाला यात्रा भत्ता और दैनिक भत्ता सरकारी कर्तव्यों के लिए की गई यात्रा हेतु लागू नियमों के अनुसार शासित किया जाएगा और संस्थान द्वारा इसका भुगतान किया जाएगा ।

21. निधियों के निवेश: न्यासी बोर्ड समय-समय पर भारत सरकार द्वारा अनुमोदित निवेश प्रतिरूप के अनुसार आई.आई.एस.टी. सामान्य भविष्य निधि, आई.आई.एस.टी. अंशदायी भविष्य निधि और नई परिभाषित अंशदान पेंशन योजना की सभी वेतनवृद्धि संबंधी अभिवृद्धियों का सरकारी प्रतिभूतियों, इत्यादि में निवेश करेगा ।



22. निधियों के खातों की लेखा परीक्षा: निधियों के खातों की प्रति वर्ष उसी लेखा परीक्षक द्वारा लेखा परीक्षा की जाएगी जो कि संस्थान की लेखा परीक्षा करेगा। निधियों के खातों का लेखा परीक्षित विवरण न्यासी बोर्ड के अध्यक्ष द्वारा संस्थान के निदेशक के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा और निदेशक इसे संस्थान के प्रबंधन बोर्ड के समक्ष सूचना एवं निर्देश हेतु, यदि कोई हो तो, रखेगा।
23. न्यास का कोई निर्णय/पत्राचार न्यास के अध्यक्ष के हस्ताक्षर से दिया जाए।

ए. विजय आनन्द, संयुक्त सचिव

### NOTIFICATION

Bangalore, the 3rd July, 2012

**No. E. 28011/02/2010-Sec. 5.**— WHEREAS the Indian Institute of Space Science and Technology (IIST) was set up at Thiruvananthapuram w.e.f. 03.01.2007 with the approval of the Cabinet vide No.17/CM/2007 dated May 2007.

WHEREAS the main objective of Indian Institute of Space Science and Technology (IIST) is to meet high quality resources requirement of Indian Space Research Organisation (ISRO) through customized academic programme in Science and Engineering with in-depth learning process for custom built curricular to cater to the high technology requirement of ISRO without compromising on the generic requirement of Science and Technology.

AND WHEREAS it is considered necessary to formulate and implement IIST Provident Funds & Pensions Scheme.

### **INDIAN INSTITUTE OF SPACE SCIENCE AND TECHNOLOGY (IIST) PROVIDENT FUNDS AND PENSIONS SCHEME, 2012**

#### **1. Short title and commencement**

a) This Scheme may be called the Indian Institute of Space Science and Technology (IIST) Provident Funds and Pensions Scheme, 2012.

b) The Scheme shall come into force on August 01, 2012.

#### **2. Definitions**

(1) In this Scheme, unless the context otherwise requires -

(a) 'Board of Management' means the Board of Management of the Institute;

2528 96112-5

- (b) 'Board of Trustees' means the Board of Trustees constituted by the Director of the Indian Institute of Space Science and Technology for managing the Funds;
- (c) 'Emoluments' means pay, leave salary or subsistence grant as defined in the Fundamental Rule; The General Provident Fund (Central Services) Rules, 1960; The Contributory Provident Fund (India) Rules, 1962; The Central Civil Services (Pension) Rules, 1972; and The New Defined Contribution Pension Scheme, as the case may be, and as applicable to the Institute;
- (d) 'Employees' mean the employees of the Indian Institute of Space Science and Technology, but shall not include persons engaged on casual/part-time/contract basis or persons working in sponsored projects financed by outside agencies not holding any regular post in the Institute;
- (e) 'Family' shall have the same meaning assigned to it in the General Provident Fund (Central Services) Rules, 1960; The Contributory Provident Fund (India) Rules, 1962; The Central Civil Services (Pension) Rules, 1972; and The New Defined Contribution Pension Scheme, as the case may be;
- (f) 'Finance Officer' means the officer to whom the duty to maintain the accounts has been assigned by the Director of the Indian Institute of Space Science and Technology;
- (g) 'Fund' means the Indian Institute of Space Science and Technology General Provident Fund or the Indian Institute of Space Science and Technology Contributory Provident Fund or the New Defined Contribution Pension Scheme, as the case may be;
- (h) 'Government' means the Department of Space;
- (i) 'Government security' shall have the same meaning assigned to it in the Public Debt Act, 1944 (18 of 1944);
- (j) 'Institute' means the Indian Institute of Space Science and Technology;

- (k) 'Leave' means any type of leave recognised under the Vacation and Leave (including Study Leave) Rules of the Institute;
  - (l) 'Scheme' means the IIST Provident Funds and Pensions Scheme;
  - (m) 'Service' means regular service under the Institute and/or the Government, and includes the service rendered in any other Office/Establishment to which the General Provident Fund (Central Services) Rules, 1960, or the Contributory Provident Fund (India) Rules, 1962, or the New Defined Contribution Pension Rules, as the case may be, apply;
  - (n) 'Subscriber' means an employee who subscribes to the General Provident Fund of the Institute or the Contributory Provident Fund of the Institute or the New Defined Contribution Pension Fund, as the case may be; and
  - (o) 'Year' means a financial year commencing on the 1<sup>st</sup> day of April.
- (2) Any other expressions used in this Scheme, which are defined either in the Provident Funds Act, 1925 (19 of 1925) or in the Fundamental Rules adopted by IIST is used in the sense therein defined but not defined herein, shall have the meaning respectively assigned to them in the Provident Funds Act, 1925 (19 of 1925) or in the Fundamental Rules, as the case may be.

### **3. Application of the Scheme**

#### **3.1 This Scheme shall apply to –**

- (a) New employees of the Institute recruited afresh after its registration (such employees would be governed by the New Defined Contribution Pension Rules of the Government of India, as amended from time to time).
- (b) The employees of the Government (Department of Space), who have joined service in the Government (Department of Space) prior to 01.01.2004 and appointed on transfer basis in the Institute [such employees will subscribe either to the IIST General Provident Fund or the IIST Contributory

Provident Fund depending upon the Fund to which they were subscribing to in the Government (Department of Space));

- (c) The employees of other Offices/Establishments/Academic Institutions (Government/Aided) governed by the General Provident Fund (Central Services) Rules, 1960, or the Contributory Provident Fund (India) Rules, 1962, or analogous rules, as the case may be, who had joined service in such Offices/Establishments/Academic Institutions (Government/Aided) prior to 01.01.2004 and appointed in the Institute after his/her resignation on transfer on immediate absorption basis or such of those employees who have technically resigned from such Offices/Establishments/Academic Institutions (Government/Aided) for the purposes of joining the Institute (such employees will subscribe to the IIST General Provident Fund or the IIST Contributory Provident Fund as the case may be depending upon the Fund to which they were subscribing to in such Offices/Establishments/Academic Institutions (Government/Aided));
- (d) The employees of the Government (Department of Space) or any other Office/Establishment/Academic Institutions (Government/Aided), who had joined service in the Government (Department of Space) or the other Office/Establishment governed by the New Defined Contribution Pension Rules of the Government of India after 01.01.2004 and appointed on transfer basis in the Institute (such employees will continue to subscribe to the New Defined Contribution Pension Rules of the Government of India, as amended from time to time); and

**3.2** In respect of existing employees of the Institute, the amount standing at their credit in the Contributory Provident Fund or General Provident Fund or New Defined Pension Scheme (including Govt. contributions wherever applicable, and interest thereon), as the case may be, which is kept in a separate bank account shall be transferred to their respective account to be maintained under this Scheme, and upon such action, they shall be deemed to be recoveries made under the provisions of this Scheme.

**3.3** This Scheme shall not apply to persons engaged on casual basis, persons engaged on part-time or contract basis or persons working

in sponsored projects financed by outside agencies but not holding any regular post in the Institute.

#### **4. Constitution of Funds**

**4.1** The Funds shall vest with and be managed by a Board of Trustees to be constituted by the Director of the Institute. The rules and regulations for the functioning of the Board of Trustees as approved by the Chairman of the IIST Board of Management shall be as detailed in the Appendix to these Rules.

**4.2** The Funds under the Scheme shall be maintained in Rupees. All sums paid into or drawn from the Funds under these Rules shall be credited or debited, as the case may be, to an account – “IIST Provident/Pension Funds” to be opened and operated by the Board of Trustees in any one of the Banking Company as defined in the Reserve Bank of India Act, 1934 (2 of 1934), as amended from time to time.

#### **5. Membership of the Scheme**

**5.1** (a) Membership of the Fund is compulsory for every employee of the Institute to whom this Scheme is applicable under para 3.1 above.

**5.1** (b) The services, if any, rendered by the employees of the Institute in any other Office/Establishment/Academic Institutions (Government/Aided) to which the General Provident Fund (Central Services) Rules, 1960, or the Contributory Provident Fund (India) Rules, 1962, or the New Defined Contribution Pension Rules of the Government of India, or analogous rules, as the case may be, apply/ies, prior to joining the Institute/Government (Department of Space), shall also be appropriately reckoned as service in the Institute for the purpose of these Rules,

Provided such an employee had resigned technically from the other Office/Establishment/Academic Institution (Government/Aided) for joining the Institute/Government (Department of Space) and the balance in his/her Provident Fund Account is/was transferred to his/her new Account in the Institute/Government (Department of Space);

Provided that the pension contribution, etc., are/were made/paid by the other Office/Establishment/Academic Institutions (Government/Aided);

2528 4712-6

Provided further that in the case of employees appointed in the Institute on transfer basis from the Government (Department of Space), the orders issued by the Government (Department of Space) with regard to payment of pension contribution, etc., shall apply.

- 5.2** Such of those employees admitted to the IIST General Provident Fund under these Rules or their eligible family members, as the case may be, shall be eligible to receive pension, gratuity, etc., under the Central Civil Services (Pension) Rules, 1972 (including Family Pension, 1964), Central Civil Services (Commutation of Pension) Rules, 1981, and Payment of Arrears of Pension (Nomination) Rules, 1983, as the case may be, as amended from time to time.
- 5.3** Such of those employees admitted to the IIST Contributory Provident Fund under these Rules shall not be eligible to receive any pension, but shall receive a contribution from the Institute, which shall be equal to a percentage of the subscriber's emoluments drawn on duty during a year or period, as the case may be, prescribed under the Contributory Provident Fund (India) Rules, 1962, and also the gratuity.
- 5.4** Such of those employees admitted to the New Defined Contribution Pension Rules shall be eligible to receive the benefits as available under the New Defined Contribution Pension Rules of the Government of India.
- 5.5** The rate of subscription by the employees to the Fund concerned shall be as prescribed in the General Provident Fund (Central Services), 1960, or the Contributory Provident Fund (India) Rules, 1962, or the New Defined Contribution Pension Rules of the Government of India, as the case may be, as amended from time to time.
- 6. Option**
- 6.1** Scientific/Technical/Faculty personnel falling under clause 3.1(b) herein above and subscribing to the IIST Contributory Provident Fund shall have one option to be exercised any time but not later than completion of twenty (20) years' qualifying service to switch over from IIST Contributory Provident Fund to the IIST General Provident Fund with pension under these Rules or to continue to subscribe to the IIST Contributory Provident Fund under these Rules, as they may wish. Those who do not exercise any option

within the specified period as above will be deemed to have opted for switch-over to the IIST General Provident Fund with pension. The option once exercised will be final, and change-over from Pension Rules to CPF Rules will not be permitted.

- 6.2** There will be no option to those Scientific/Technical/Faculty personnel who have already completed twenty (20) years' qualifying service or other categories of employees detailed under clause 3.1 herein above.

## **7. Management of the Scheme**

- 7.1** The rules and regulations relating to the management of the scheme and maintenance of the accounts like nominations, subscriptions, interest & contribution, deductions, advances & refunds, part-final & final withdrawals, final settlement, deposit-linked insurance, etc., shall be in accordance with the relevant rules and regulations contained in (i) the General Provident Fund (Central Services) Rules, 1960, (ii) the Contributory Provident Fund (India) Rules, 1962, (iii) the Central Civil Services (Pension) Rules, 1972, (iv) the Central Civil Services (Commutation of Pension) Rules, 1981, (v) the Payment of Arrears of Pension (Nomination) Rules, 1983, (vi) the Central Civil Services (Medical Examination) Rules, 1957, (vii) the Central Government Account (Receipts and Payments) Rules, 1983, (viii) the Civil Accounts Manual, and (ix) the New Defined Contribution Pension Rules of the Government of India, as the case may be, subject to the following modifications:

- (a) The authority to sanction an advance under normal circumstances shall be the Registrar or any other officer so authorised by the Director of the Institute; and
- (b) The authority to sanction an advance under special circumstances or part-final withdrawal shall be the Director of the Institute or any other officer so authorised by him/her.

- 7.2** In the application of the Rules/Manual aforementioned to the Funds,

- (i) 'Government' shall be read as the 'Institute';
- (ii) 'Government servant' shall be read as 'employee of the Institute'; and
- (iii) 'Head of Department' shall be read as 'Director of the Institute'.

**8. Investment of the Funds**

The Board of Trustees shall invest all the incremental accretions to the IIST General Provident Fund, the IIST Contributory Provident Fund and the New Defined Contribution Pension Rules in Government securities, etc., as per the investment pattern approved by the Government of India from time to time.

**9. Auditing of the Accounts of the Funds**

The Accounts of the Funds shall be audited every year by the same Auditor who will be auditing the Accounts of the Institute. A copy of the Audited Statement of Accounts of the Funds shall be furnished by the Chairman of the Trust to the Director of the Institute for placing before the Board of Management of the Institute at its next meeting for information and direction, if any.

**10. Interpretation**

If any doubt or question arises relating to the interpretation of any of the provisions of these Rules, it shall be referred to the Government (Department of Space) whose decision thereon shall be final and binding.

**11. Power to relax**

Where the Institute is satisfied that the operation of any of the rule or provision may cause undue hardship to any particular case, the Institute may, with the prior approval of the Chairman, Board of Management of the Institute, dispense with or relax the requirements of any rule or provision to such extent and subject to such exceptions and conditions as it may consider necessary for dealing with the case in a just and equitable manner.

**12. Amendment of the Rules**

- 12.1** Any order or amendment issued under (i) the General Provident Fund (Central Services) Rules, 1960, (ii) the Contributory Provident Fund (India) Rules, 1962, (iii) the Central Civil Services (Pension) Rules, 1972, (iv) the Central Civil Services (Commutation of Pension) Rules, 1981, (v) the Payment of Arrears of Pension (Nomination) Rules, 1983, (vi) the Central Civil Services (Medical Examination) Rules, 1957, (vii) the Central Government Account (Receipts and Payments) Rules, 1983, (viii) the Civil Accounts Manual, and (ix) the New Defined Contribution Pension Rules of



the Government of India, as the case may be, will, *mutatis mutandis*, apply to these Rules, unless otherwise decided by the Board of Management of the Institute.

- 12.2** Any other order or amendment to these Rules, which is not in conformity with the (i) General Provident Fund (Central Services) Rules, 1960, (ii) the Contributory Provident Fund (India) Rules, 1962, (iii) the Central Civil Services (Pension) Rules, 1972, (iv) the Central Civil Services (Commutation of Pension) Rules, 1981, (v) the Payment of Arrears of Pension (Nomination) Rules, 1983, (vi) the Central Civil Services (Medical Examination) Rules, 1957, (vii) the Central Government Account (Receipts and Payments) Rules, 1983, (viii) the Civil Accounts Manual, and (ix) the New Defined Contribution Pension Rules of the Government of India, as the case may be, shall be made by the Institute in exceptional cases only with the prior approval of the Board of Management of the Institute and the Government (Department of Space).

### **13. Review of the Scheme**

The management of the Scheme shall be reviewed at least every two years by the Institute to ensure proper implementation for self-sustenance, and the results of such reviews shall be reported to the Board of Management of the Institute for information and direction, if any.

\*\*\*\*\*

### **APPENDIX**

- 1.1** Rule 4.1 of the IIST Provident Funds and Pensions Scheme specifies that the IIST General Provident Fund, the IIST Contributory Provident Fund and the New Defined Contribution Pension Fund shall vest with and be managed by a Board of Trustees to be constituted by the Director of the Institute, and provides for framing of the rules and regulations for the functioning of the Board of Trustees.
- 1.2** Accordingly, the following shall be the rules and regulations to be followed by the Board of Trustees of the IIST Provident Funds & Pensions Scheme.
- 2.** Every employee of the Institute shall subscribe to the Funds (the IIST General Provident Fund, the IIST Contributory Provident Fund and the Defined Contribution Pension Fund, as the case may be), at the applicable rates prescribed under Rule 5.5 of the IIST Provident Funds and Pensions Scheme.
- 3.** The IIST Provident Funds and Pensions Scheme shall be maintained in Rupees. All sums paid into or drawn from the Funds under these Rules shall be credited or debited, as the case may be, to the appropriate account, viz., "Indian Institute of Space Science

2528 96/12-7

and Technology (IIST) Provident Fund/Pension Fund” to be opened and operated by the Board of Trustees in any one of the Banking Company as defined in the Reserve Bank of India Act, 1934 (2 of 1934), as amended from time to time.

#### **4. Board of Trustees**

**4.1** The Board of Trustees shall consist of equal number of representatives of the Institute and members of the Funds who shall look after all matters connected with the administration of the Funds, provided the number of Trustees shall be eight (8) with the following representation:

- i) Four (4) to be nominated by the Director of the Institute;
- ii) One (1) to be nominated/elected, as the case may be, from among the employees subscribing to the IIST General Provident Fund;
- iii) One (1) to be nominated/elected, as the case may be, from among the employees subscribing to the IIST Contributory Provident Fund; and
- iv) Two (2) to be nominated/elected, as the case may be, from among the employees subscribing to the New Defined Contribution Pension Scheme.

**4.2** Any change in the distribution of the Trusteeship as above among the subscribers of the Funds shall be made by the Director of the Institute after obtaining the prior approval of the Chairman of the Board of Management of the Institute.

**4.3** The Chairman of the Board of Trustees shall be one of the Trustees representing the Institute and shall be so nominated by the Director of the Institute.

#### **5. Meetings of the Board of Trustees**

**5.1** The Board of Trustees may meet for the transaction of business and adjourn, and regulate its meetings as it shall think fit. The Chairman may, whenever he/she thinks fit, and shall, within fifteen (15) days of receipt of a requisition in writing from not less than one-third ( $1/3$ rd) of the members of the Funds, call a meeting thereof, provided that the Board of Trustees shall meet at least once in every three months. Notice of the meeting containing the date, time and place of the meeting and Agenda thereof shall be circulated to the Trustees by the Chairman of the Board of Trustees at least seven (7) days before the meeting, provided that when the Chairman of the Board of Trustees calls a meeting for considering any matter which, in his/her opinion, is urgent, a notice giving such reasonable time as he/she may consider necessary, shall be deemed sufficient.

- 5.2** The Chairman of the Board of Trustees shall preside every meeting of the Board of Trustees at which he/she is present. He/She shall have a casting vote besides his/her own vote as a Trustee. If the Chairman of the Trustees is absent, the Trustees present may elect one of them to preside over the meeting and the Trustee so elected shall exercise all the powers of the Chairman of the Board of Trustees at that meeting, including the right to cast the casting vote. At any meeting of the Trustees, any six (6) Trustees – three (3) representing the Institute and three (3) representing the members of the Funds, shall constitute a quorum. If at a meeting the number of Trustees is less than the required quorum, the Chairman of the Board of Trustees shall adjourn the meeting to a date not later than seven (7) days from the date of the original meeting, informing the Trustees the date, time and place of the adjourned meeting, and it shall thereupon be lawful to dispose of the business at such adjourned meeting irrespective of the number of Trustees present.
- 5.3** Every item considered at the meeting of the Board of Trustees shall be decided by a majority of the Trustees present and voting. In the event of an equality of votes, the Chairman of the Board of Trustees shall exercise a casting vote. Any decision at the meeting of the Trustees shall be deemed to be the decision of all the Trustees, provided that any decision which is prejudicial to the interest of the members of the Rules shall be appealable to the Director of the Institute, whose decision thereon shall be final and binding.
- 5.4** The minutes of the meeting of the Board of Trustees showing *inter-alia* the names of the Trustees present thereat, shall be circulated to all the Trustees for approval, not later than seven (7) days of the meeting. Thereafter, the minutes shall be recorded in the Minutes Book as a permanent record. The records of the minutes of each meeting shall be signed by the Chairman of the Board of Trustees after confirmation with such modifications, if any, as may be considered by the Board of Trustees at its next meeting. A copy of the minutes of the meetings so recorded and signed shall be provided to the Director of the Institute.
- 6. Term of office of the Board of Trustees:** The term of office of the Board of Trustees shall be two (2) years commencing from the date of his/her nomination or election, as the case may be. An outgoing Trustee shall be eligible for re-nomination or re-election, as the case may be.
- 7. Resignation by a Trustee:** A Trustee may resign his/her office through a letter in writing addressed to the Chairman of the Board of Trustees, and his/her office shall fall vacant from the date on which his/her resignation is accepted by the Chairman of the Board of Trustees.

- 8. Vacation of the Trusteeship on account of death, etc.:** In the event of any Trustee vacating the office due to death or otherwise, a new Trustee can be appointed in his/her place by nomination by the Director of the Institute, if the Trusteeship vacated is that of a representative of the Director of the Institute. In the case where the Trusteeship vacated is that of a representative of the members of the Funds, a new Trustee may be appointed either by nomination from among the members of the respective Fund by the concerned recognized Service Association/Union or by election by the members of the respective Fund. However, the Trustee so nominated either by the Director of the Institute or the recognized Service Association/Union or elected shall hold office only for the unexpired term of the Board of Trustees.
- 9. Nomination of Trustees by the Director of the Institute:** The Director of the Institute shall nominate his/her representatives from amongst the officers of the Institute/Government. Such nomination by the Director of the Institute shall be four (4). An outgoing Trustee shall be eligible for re-nomination by the Director of the Institute.
- 10 Nomination of Trustees by the recognized Service Associations/Unions**
- 10.1** If the Institute has recognized any Service Association(s)/Union(s) of the employees, such recognized Association(s)/Union(s), which will not exceed two (2), shall appropriately nominate four (4) representatives of the members of the Rules as Trustees as under:
- 1) If there are two recognized Service Associations/Unions, then -
    - i) the recognized Service Association/Union which has secured the highest percentage of membership of employees shall nominate three (3) members -one (1) member subscribing to the IIST General Provident Fund, one (1) member subscribing to the IIST Contributory Provident Fund, and one (1) member subscribing to the New Defined Contribution Pension Fund; and
    - (ii) the recognized Service Association/Union which has secured the second highest percentage of membership of employees shall nominate one (1) member subscribing to the New Defined Contribution Pension Fund.
  - 2) If there is only one recognized Service Association/Union, it shall be allowed to nominate four (4) members – one (1) member subscribing to the IIST General Provident Fund, one

(1) member subscribing to the IIST Contributory Provident Fund and two (2) members subscribing to the New Defined Contribution Pension Fund.

**10.2** Any change in the distribution of the Trusteeship as above among the subscribers of the Funds shall be carried out with the prior approval of the Chairman of the Board of Management of the Institute.

**10.3** An outgoing Trustee shall be eligible for re-nomination by the respective recognized Service Association/Union.

**11.1 Election of the representatives of the members of the Fund as Trustees:** In case there is no recognized Service Association/Union in the Institute, election as prescribed hereunder shall be held for appointing the representatives of the members of the Funds as Trustees.

**11.2 Qualification of members of the Fund for election as Trustees:** Any employee of the Institute who is a member of the Funds may, if nominated as hereinafter provided, be a candidate for election as a Trustee representing the members of the respective Fund. An outgoing Trustee shall be eligible for re-election.

**11.3 Procedure for election of Trustees**

**11.3.1** The Director of the Institute shall appoint a Returning Officer for conducting the election. The Returning Officer so appointed shall fix a date for receiving the nominations from the candidates for election as Trustees representing the members of the Rules. He/She shall also fix a date for withdrawal of the nominations and the date of election, which shall not be earlier than three (3) days or later than ten (10) days after the closing of the date for withdrawal of nominations. The date so fixed shall be notified to the members of the Fund at least seven (7) days in advance through the Notice Board(s) of the Institute. The notice shall also specify the number of seats to be filled from among the members of the Scheme. A copy each of the notice inviting nominations, election notice, results of the election, etc., shall also be sent by the Returning Officer to the Director of the Institute.

**11.3.2** Every nomination shall be made in the form prescribed by the Returning Officer. Each nomination paper shall be signed by the candidate to whom it relates and one proposer who is a member of the appropriate Fund, besides attestation by two seconders who are members of the appropriate Fund, and delivered to the Returning Officer on or before the closing date & time fixed for receiving the nominations.

2528 4/12-8

**11.3.3** The Returning Officer shall scrutinize the nomination papers received on the date following the last date fixed for withdrawing the nomination papers. At the time of scrutiny of the nominations received, the candidates or their nominees and/or the proposers or the seconders, may be present, if they so desire.

**11.3.4** If the number of candidates who have been validly nominated is equal to the number of seats, the candidates shall forthwith be declared as duly elected.

**11.3.5** If the number of candidates who have been validly nominated is less than the number of seats, the candidates shall forthwith be declared as duly elected. The seats remaining uncontested shall be filled by the Director of the Institute by nomination from among the members of the respective Fund.

**11.3.6** If the number of candidates validly nominated is more than the number of seats, voting shall take place on the date and time fixed for election, which shall be conducted by the Returning Officer.

**11.3.7** Every member of the Fund concerned shall have as many votes as there are seats to be filled by election to the Fund concerned, provided that each such member of the Fund shall be entitled to cast only one vote in favour of anyone candidate.

**11.3.8** The voting shall be by secret ballot.

**12.** The Board of Trustees shall be constituted by the Director of the Institute and the Trust shall be registered appropriately under the Trusts Act, 1882.

**13. Disqualification of a Trustee:** A member of the Fund shall be disqualified for being a Trustee of the Board -

- a) if he/she has been declared to be of unsound mind by a competent Court of Law; OR
- b) if he/she is an undischarged insolvent; OR
- c) if he/she has been convicted of an offence involving moral turpitude; OR
- d) if he/she has defaulted in the payment of any dues to the Fund or to the Board of Trustees recoverable under these Rules.

- 14. Absence from India:** Before a Trustee leaves India, he/she shall intimate the Chairman of the Board of Trustees of the dates of his departure from and expected return to India. In case a Trustee intends to absent himself/herself for a period longer than six (6) months, he/she shall tender his/her resignation. If any Trustee leaves India for a period of six (6) months or more without intimation to the Chairman of the Board of Trustees, he/she shall be deemed to have resigned from the Trust.
- 15. Filling of casual vacancies:** In the event of a Trustee, nominated or elected, ceases to be a Trustee during the tenure of the Board of Trustees, his/her successor shall be nominated or elected, as the case may be, in the manner hereinbefore provided for nomination or election: A Trustee so nominated or elected shall hold office for the unexpired term of the Board of Trustees.
- 16. Removal of a Trustee:** The Director of the Institute and the recognized Association(s)/Union(s) of employees shall have the power to remove the respective nominated Trustees from the Board of Trustees at their discretion. In such a case, the Chairman shall be informed accordingly in writing by the Director of the Institute or the recognized Association(s)/Union(s) of employees, as the case may be, at least fifteen (15) days before such a decision takes effect. No notice shall be required to be given in such cases of removal.
- 17. Cessation and Restoration of Trusteeship:** A Trustee shall cease to be a Trustee on the Board if he/she –
- ceases to be a member of the Fund; OR
  - is a nominee of the recognized Service Association/Union and the Service Association/Union loses its recognition; OR
  - incurs any of the disqualifications mentioned under Rule 13 and 14 herein above; OR
  - fails to attend two consecutive meetings of the Board of Trustees without obtaining leave of absence from the Chairman of the Board of Trustees, provided that the Chairman of the Board of Trustees may restore him/her the Trusteeship if he/she is satisfied that there were reasonable grounds for such absence; OR

2528 90/12-9

- e) ceases to represent, in the opinion of the Director of the Institute, the interest which he/she purports to represent on the Board of Trustees,

provided that no such Trustee shall be removed from office under sub-clause (c), (d) & (e) above, unless a reasonable opportunity is given to him/her of making any representation against the proposed action, and the decision thereon of the Chairman of the Board of Trustees in this regard shall be final and binding.

## **18. Supersession of the Board of Trustees**

- 18.1** If the Director of the Institute is satisfied that the Board of Trustees has made default in performing any duties or has abused its powers, he/she may supercede and reconstitute the Board of Trustees in the manner prescribed herein above, provided that before such supersession, the Director of the Institute shall give a reasonable opportunity to the Board of Trustees to show cause as to why it should not be superceded, and shall consider the explanations and objections, if any, of the Board of Trustees.

- 18.2** After the supersession of the Board of Trustees and until it is reconstituted in the manner prescribed herein above, the duties and functions of the Board of Trustees shall be performed by such officers as the Director of the Institute may appoint for this purpose, provided that no such outgoing Trustee shall be appointed by the Director of the Institute for so performing the duties and functions of the Board of Trustees in the interregnum.

## **19. Responsibilities of the Trustees**

- 19.1** The Board of Trustees shall maintain detailed accounts to clearly show the contributions credited, advances & withdrawals made and interest accrued in respect of each employee for each Fund.
- 19.2** The Board of Trustees shall submit appropriate returns to the concerned authorities within the due dates.
- 19.3** The Board of Trustees shall invest all the incremental accretions to the IIST General Provident Fund, the IIST Contributory Provident Fund and New Defined Contribution Pension Fund in Government securities, etc., as per the investment pattern approved by the Government of India from time to time. In the discharge of their duties for the administration of the Funds, the Trustees shall be indemnified by the Institute against proceedings, cost, demand,



charges claims, damages, losses or liabilities caused otherwise than through their negligence or fraud.

**19.4** The Trustees shall transfer, where necessary, the provident fund account of any employee.

**20. Traveling Allowance and Daily Allowance to a Trustee:** The Traveling Allowance and Daily Allowance to a Trustee for journey connected with the administration of the Fund, shall be governed by the rules applicable to him/her for journeys performed on official duties, and shall be paid by the Institute.

**21. Investment of the Funds:** The Board of Trustees shall invest all the incremental accretions to the IIST General Provident Fund, the IIST Contributory Provident Fund and New Defined Contribution Pension Scheme in Government securities, etc., as per the investment pattern approved by the Government of India from time to time.

**22. Auditing of the Accounts of the Funds:** The Accounts of the Funds shall be audited every year by the same Auditor who will be auditing the Accounts of the Institute. A copy of the Audited Statement of Accounts of the Funds shall be furnished by the Chairman of the Board of Trustees to the Director of the Institute for placing before the Board of Management of the Institute at its next meeting for information and direction, if any.

**23.** Any decision/communication of the Trust may be given under the hand of the Chairman of the Trust.

-----  
A. VIJAYANAND, Jt. Secy.